

ISSN 2277-4157

Central India Journal of Historical and Archaeological Research **CIJHAR**

A Peer Reviewed And
An International Journal

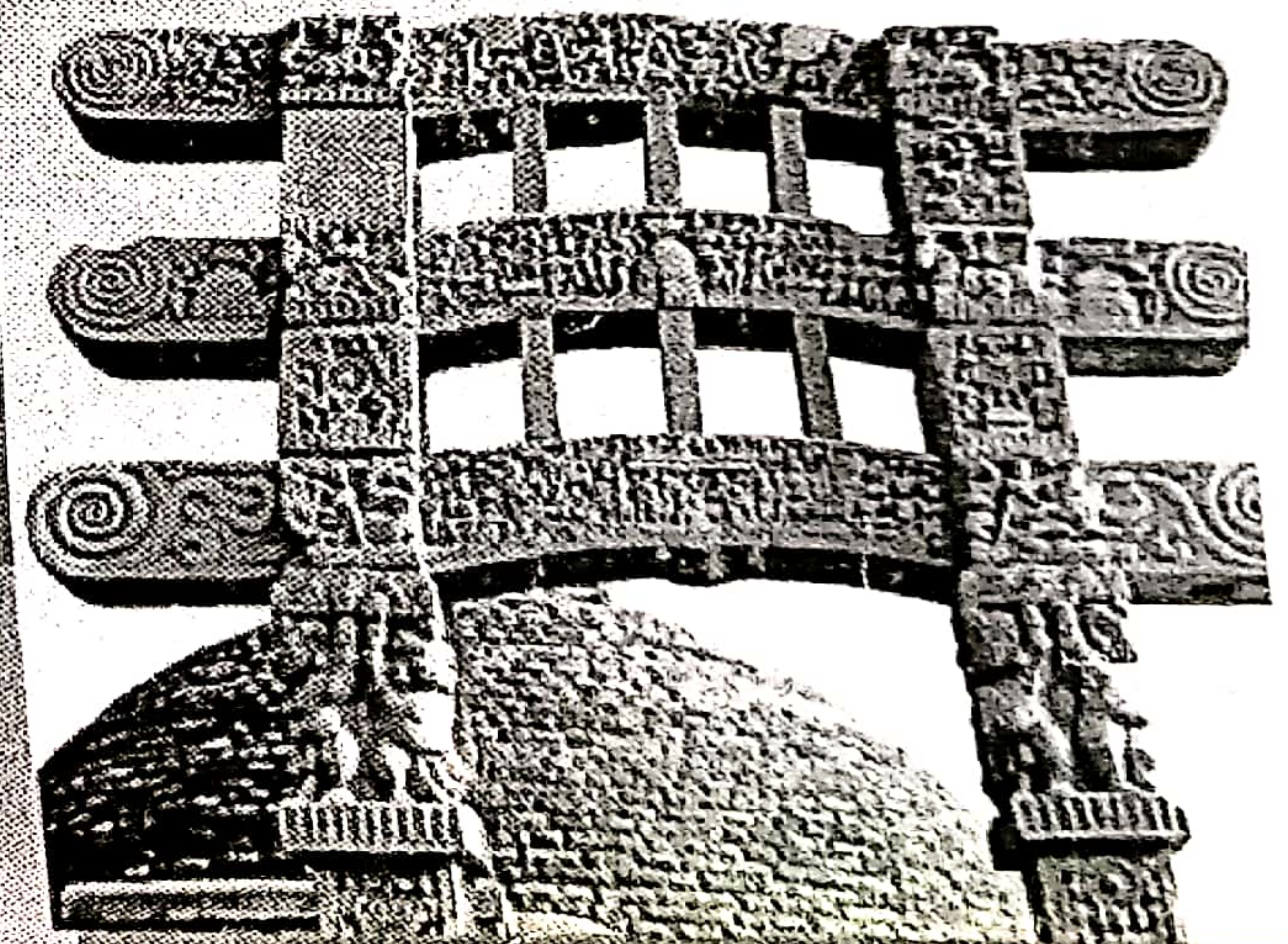
Vol VII-VIII
Joint Issue

October-December 2018
January-March 2019

No. 26/27

Editor

Dr. Vinay Shrivastava



कुमारी विनीता

180

लड़कियों को शिक्षित करने हेतु प्रेरित कर रहे थे। पति की याद को बरकरार रखने हेतु पति के मृत्यु के मात्र पाँच माह बाद 3 मई 1909 को बेगम रुकैया ने "शाखावत गर्ल्स हाई स्कूल" की स्थापना की। (आज भी गुरुद्वारा रोड़ से शाह मार्केट रास्ते में "शाखावत हुसैन सेन" है)। पारिवारिक विवाद एवं रुढ़िवादियों द्वारा विरोध किये जाने के कारण रुकैया कलकत्ता चली गई और वहाँ 1911 ई. में इसी नाम से स्कूल खोला। 1917 ई. में बंगाल के गवर्नर जनरल की पत्नी लेडी चेम्सफोर्ड ने आगा खान, सर अब्दुल रहिम मौलाना मोहम्मद अली के साथ स्कूल का निरीक्षण कर शुभकामना दी। यह स्कूल आज भी पश्चिम बंगाल सरकार के नियंत्रण में चल रही है।

"अंजुमन-ए-खवातीन-ए-इस्लाम" मुस्लिम महिलाओं का संघ की स्थापना की। 1928 में अलीगढ़ में हुए अखिल महिला सम्मेलन की अध्यक्षता की। बेगम रुकैया ने सुल्ताना ग्रीम (1909) अवरोध वासिनी "The Secluded ones-1929" मोतीचुर, पाछोराग (कमल की खुशबू) नारी अधिकार (महिलाओं का अधिकार) नामक रचनाएँ रचित की। चालीस से अधिक लेखों में उनकी प्रसिद्ध लेखों अर्धांगिनी, ग्रह, बुर्का, सुप्रहिणी में मुस्लिम महिलाओं में जाग्रति लाने का सफल प्रयास किया। रुकैया ने कहा था— "Education Would help woman fulfill their traditional roles knowledgeably and Professionally and hence contribute to the progress of the nation"। हृदय रोग के कारण 9 दिसम्बर 1932 ई. को बेगम की मृत्यु हो गई। बंगला देश आज भी बेदी की याद में प्रति वर्ष 9 दिसम्बर को "रुकैया दिवस" मनाती है तो ढाका विश्वविद्यालय में उनके नाम वाले हॉल में बेगम रुकैया की प्रतिमा आज भी है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 2007 ई. से रुकैया "नारी उन्नयन समिति" प्रति वर्ष रुकैया की पुण्यतिथि मनाते हुए मुस्लिम महिलाओं का विभिन्न क्षेत्रों में जागरूक कर रही है। दीर्घ बात यह है कि भागलपुर अपनी बेदी एवं बहु को मूल गई है। इन्हीं दोनों को प्रेरणास्त्रोत बनाकर मेरा विस्तृत लेख होगा।

संदर्भ ग्रंथ :

1. राय कौलेश्वर - बिहार का इतिहास, किताब महल ऐजेंसीज, राय कौलेश्वर पटना, प्रथम संस्करण, 2006 पृष्ठ संख्या 292।
2. वही, पृष्ठ संख्या - 296
3. दत्त, डॉ. के. के. - बिहार के स्वतंत्र आन्दोलन का इतिहास भाग I. प्रकाशक बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना द्वितीय संस्करण, पृष्ठ संख्या 44
4. वही, पृष्ठ संख्या 46
5. श्री वास्तव, डॉ. राजेन्द्र मोहन प्रसाद - बिहार में राष्ट्रीयता का विकास, तृतीय संस्करण, प्रकाशक बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी पटना, पृष्ठ संख्या -09
6. दत्त, के. के. - बिहारवासियों का जीवन और उसकी चिन्ताधारा, प्रकाशक बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी पटना, पृष्ठ संख्या -09
7. अल्टेकर, ए. एस. - द पोजिशन ऑफ वीमेन्स इन द सिविलाइजेशन मोतीलाल बनारसी लाल, वाराणसी
8. राय, कौलेश्वर - बिहार का इतिहास, किताब महल ऐजेंसी, पटना प्रथम संस्करण, 2006, पृष्ठ संख्या- 304
9. वही, पृष्ठ संख्या 305।

.....

37. भोपाल विलीनीकरण आंदोलन एवं महिला विकास की प्रमुख नेत्री मोहिनी देवी

*डॉ. प्रीति बागडे

सारांश

भोपाल में नवाबी शासन के विरुद्ध विलीनीकरण एवं महिला विकास आंदोलन ने जोर पकड़ा जिससे सुश्री मोहिनी देवी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने केवल विलीनीकरण आंदोलन में ही महत्वपूर्ण नेत्री के रूप में कार्य नहीं किया बल्कि भोपाल, महिला मंडल, प्रजा मंडल एवं म.प्र. महिला संगठन, नगरपालिका की गुप्तनेत्री, कम्युनिस्ट पार्टी की नेता के रूप में कार्य कर महिला कल्याण एवं समृद्धि को सशक्ता प्रदान की साथ ही समाज में ऊँच-नीच की खाई को पाटने का कार्य किया एवं हिन्दू-मुसलमान एकता के रूप में कार्य कर जन साधारण में प्रसिद्धि प्राप्त की। मोहिनी देवी ने विभिन्न संस्थाओं-संगठन एवं समाचार पत्र-पत्रिकाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसमें "अंजुमन रियासत भोपाल", 'अंजुमन-खुदा-में-वतन' नामक संस्थाओं के साथ-साथ 'आवाज', 'सुबह वतन' नामक समाचार पत्रों ने भी प्रमुख रूप से कार्य किया।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से प्रेरणा लेकर भारत की विभिन्न रियासतों एवं संगठनों में भी राष्ट्रवाद की भावना जाग्रत होने लगी और वे एक जुट हो गये। भोपाल में भी नवाबी शासन के विरुद्ध विलीनीकरण एवं महिला विकास आंदोलन ने जोर पकड़ा जिससे सुश्री मोहिनी देवी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने केवल विलीनीकरण आंदोलन में ही महत्वपूर्ण नेत्री के रूप में कार्य नहीं किया बल्कि भोपाल, महिला मंडल, प्रजा मंडल एवं म.प्र. महिला संगठन, नगरपालिका की गुप्तनेत्री, कम्युनिस्ट पार्टी की नेता के रूप में कार्य कर महिला कल्याण एवं समृद्धि को सशक्ता प्रदान की साथ ही समाज में ऊँच-नीच की खाई को पाटने का कार्य किया एवं

Note - Research Paper Received in August 2017 and Reviewed in July 2018 (Joint Issue).

* सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि. सागर

Volume VII/VIII, Number 26/27, Oct.-Dec. 2018/Jan-Mar. 2019 ISSN 2277-4157